सत्संग करणी रे सत्संग री महिमा वेदा वरणी रे

सत्संग करणी रे,
सत्संग री महिमा,
वेदा वरणी रे,
सत्संग करनी रे।bd।

सत्संग किनी मीराबाई,
भोजा जी ने परणी रे,
गुरु मिलिया रविदास जी,
कृष्ण वरणी रे।
हां रे सत्संग करनी रे,
सत्संग री महिमा,
वेदा वरणी रे,
सत्संग करनी रे।bd।

सत्संग किनी राजा भरतरी,
छोडी पिंगला परणी रे,
धिन धिन उण मात पिता ने,
जायो जरणी रे।
हां रे सत्संग करनी रे,
सत्संग री महिमा,
वेदा वरणी रे,
सत्संग करनी रे।bd।

सत्संग किनी धनजी जाट वो,
तुंबा मोती वरणी रे,
बीज बाट सन्तो ने बाटियो,
पूरब करणी रे।
हां रे सत्संग करनी रे,
सत्संग री महिमा,
वेदा वरणी रे,
सत्संग करनी रे।bd।

सत्संग किन्नी विश्वामित्र जी,
पलभर अर्पण किनी रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

एक पलक सत्संग में बैठीयो,
सत्संग करणी रे।
हां रे सत्संग करनी रे,
सत्संग री महिमा,
वेदा वरणी रे,
सत्संग करनी रे।bd।

कल्याण भारती सतगुरू मिलिया,
सोची शब्दा वरणी रे,
बर्मानन्द भजन कर बन्दा,
भव दुख हरणी रे।
हां रे सत्संग करनी रे,
सत्संग री महिमा,
वेदा वरणी रे,
सत्संग करनी रे।bd।

सत्संग करणी रे,
सत्संग री महिमा,
वेदा वरणी रे,
सत्संग करनी रे।bd।

गायक – शंकर जी टाक।
प्रेषक – महेंद्र पंवार नारनाङी
9001717456

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com